दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 108 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, शुक्रवार, 16 जून 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

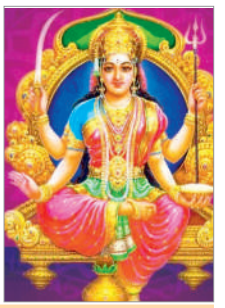

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ सालों में देश के ...
हरिद्वार में धड़ल्ले से चल रही अवैध पार्किंग को ...

मूल्य- 2 रु.

धारा-144 लागू है : लव जिहाद के खिलाफ उत्तराकाशी जनपद के पुरोला में हालात काफी तनावपूर्ण, यमुना घाटी के तीनों बाजार बंद

सुमित तिवारी,(मुख्य संपादक)

उत्तराकाशी। लव जिहाद के खिलाफ उत्तराकाशी जनपद के पुरोला में हालात काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। यमुना घाटी के तीनों बाजार बंद कर दिए गए हैं। बड़कोट, पुरोला, नौगांव के सभी बाजारों में कोई दुकान नहीं खुली। वहीं महापंचायत के लिए पुरोला जाने की जिद पर अड़े हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं व व्यापारियों को पुलिस ने पुरोला जाने से रोका। पुलिस के साथ देर तक नोंकझोक के बाद प्रदर्शनकारी यही धरने पर बैठ गए, जिसके चलते यहां लंबा जाम लग गया। गुरुवार 15 जून को पुरोला में प्रस्तावित महापंचायत को लेकर जिला प्रशासन ने बुधवार शाम ही क्षेत्र में धारा-144 लागू कर दी थी। जिले के बॉर्डर भी सील कर दिए गए। भारी संख्या में क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया, बावजूद व्यापारी और हिंदू संगठनों के लोग महपंचायत करने की जिद पर अड़े हैं।

महापंचायत के लिए पुरोला जाने की जिद पर अड़े हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं व व्यापारियों को पुलिस ने पुरोला जाने से रोका

पुरोला में प्रस्तावित महापंचायत को लेकर जिला प्रशासन ने बुधवार शाम ही क्षेत्र में धारा-144 लागू कर दी थी

प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ धक्कामुक्की

पुरोला जाते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा रोकने के बाद हिन्दू वादी संगठन धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे लोगों ने जबरन पुरोला जाने की कोशिश की। इस दौरान उनकी पुलिस के साथ धक्का मुक्की हुई, लेकिन मौजूद भारी पुलिस फ़ोर्स के कारण प्रदर्शनकारी आगे नहीं बढ़ पाए। अब प्रदर्शनकारी गिरफ्तारी पर अड़े हुए हैं। कई हिन्दूवादी संगठन के लोग बड़कोट तिलाडी पौंटी राजगढ़ी मार्ग से पुरोला की ओर निकले। सुबह से ही हिन्दू वादी संगठन के लोगों ने पुलिस प्रशासन को खूब छकाया।

एसडीएम ने की अपील, भ्रामक सुचना न फैलाएं

पुरोला प्रकरण को देख रहे एडीएम तीर्थपाल सिंह ने जनता से अपील करते हुए कहा कि पुरोला घटना को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचना न प्रसारित की जाए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने पुरोला में शांति व्यवस्था बनाने में जनसहयोग से अपील की है।

पुरोला में लगी है धारा 144 पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

पुरोला में धारा 144 लगने के बाद बाजार बंद पड़ा है। जिसके चलते पुरोला बाजार शांत और सुनसान पड़ा हुआ है। चारों तरफ पुलिस के जवान दिख रहे हैं। बीते मंगलवार को पंचायत संगठन के हाथ खींचने पर विहिप ने महापंचायत कराने का एलान किया था।

पुरोला से 12 दुकानदार कर चुके हैं पलायन

पुरोला में अब तक मुस्लिम समुदाय के लोगों की दुकानें बंद है। करीब 12 लोग दुकानों से सामान समेटकर वापस चले गए हैं। दुकानें खुलवाने को लेकर अधिकारी लगातार स्थानीय लोगों के साथ बैठकें कर रहे हैं। शांति और सौहार्द की अपील के बीच यहां पंचायत संगठन ने 15 जून को महापंचायत का ऐलान किया था। जिसको लेकर संगठन ने सोमवार देर शाम एसडीएम को ज्ञापन भी दिया। लेकिन प्रशासन ने अनुमति देने से साफ इंकार कर दिया। जिस पर आयोजक बैकफुट पर आ गए और महापंचायत को स्थगित कर दिया।

प्रस्तावित महापंचायत है स्थगित

आपको बता दें कि पुरोला में बीती 26 मई को मुस्लिम समुदाय के युवक द्वारा नाबालिग लड़की को भगाने का प्रयास किया गया था। हालांकि ये प्रयास विफल हो गया था और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था। इस घटना के बाद लोगों ने सड़कों पर उतर जुलूस प्रदर्शन निकाले और बाजार बंद रखा। मामले में दो आरोपियों को जेल भेजा गया। इस बीच कुछ दिन पहले पुरोला में मुस्लिम समुदाय के लोगों की दुकानों के आगे महापंचायत संबंधी धमकी भरे पोस्टर चस्पा कर दिए गए। ऐसे में डर के माहौल के बीच यहां से मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा दुकानें छोड़कर चले जाने और दुकानें बंद पड़ी रहने से राज्य भर में बवाल मचा है।

रुद्रसेना के संस्थापक राकेश तोमर उत्तराखंडी गिरफ्तार, अब 25 जून को महापंचायत की घोषणा

महापंचायत के लिए पुरोला जाने की कोशिश कर रहे रुद्रसेना के संस्थापक राकेश तोमर उत्तराखंडी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वहीं बजरंग दल का दावा है कई कार्यकर्ता पुरोला पहुंचे हैं। यमुनाघाटी हिन्दू जागृति मंच के संयोजक केशव गिरी महाराज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके बाद धरने पर बैठे सभी लोगों ने गिरफ्तारी दी। पुलिस वाहन में गिरफ्तार किए व्यापारी और हिन्दू संगठन के लोगों को धरना स्थल से आधा किमी दूर जा कर छोड़ा गया। केशव गिरी महाराज ने अब १५ जून को बड़कोट में महा पंचायत होने की घोषणा की है। धरने की वजह से करीब ढाई घंटे तक पुरोला बफकोट मार्ग बंद रहा।

गुजरात में चक्रवात का दिखा रौद्र रूप, उखड़े पेड़ और गिरे बिजली के खंभे

पोरबंदर। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय खतरनाक रूप लेकर गुरुवार देर शाम को 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार की हवाओं के साथ गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ से टकराया। तेज हवाओं के कारण इन इलाकों में हजारों पेड़ और खंभे ताश के पत्तों की तरह गिरने लगे। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे गुजरात के लिए भारी बताए हैं। मौसम विज्ञान ने बताया कि लैंडफॉल शुक्रवार तडक़े तक जारी रहेगा और इस दौरान हवाओं की रफ्तार 150 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

चक्रवात के खतरे को देखते हुए 95 हजार से ज्यादा लोगों को तटीय इलाकों से पहले ही रेस्क्यू किया जा चुका है। कमांडर कोस्ट गार्ड रीजन-नॉर्थ वेस्ट के इंस्पेक्टर जनरल एके हरबोला ने बताया कि हमने गुजरात में 15 जहाज और सात एयरक्राफ्ट तैयार रखे हैं। एनडीआरएफ की 27 टीमें भी तैनात हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, गुजरात के अलावा 10 अन्य राज्यों में इस तूफान का असर देखा जा रहा है। इनमें राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, लक्षद्वीप, केरल, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय शामिल हैं। यहां के कई इलाकों में तेज हवाएं चल रही हैं और बारिश हो रही है। गुजरात मौसम विभाग ने बताया कि यह तूफान दक्षिणी अरब सागर में बनने के बाद गुजरात तट के करीब पहुंचने तक कई बार रास्ता बदलता रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ सालों में देश के समग्र विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं : धामी

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

देहरादून। महा जनसम्पर्क अभियान के अन्तर्गत जाखन, देहरादून में आयोजित 'लाभार्थी सम्मेलन' कार्यक्रम में जन सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 09 सालों में देश के समग्र विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। पिछले 9 वर्षों में करीब 4 करोड़ से अधिक पक्के घर गरीब परिवारों को मिल चुके हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में गरीबों के लिए आवास निर्माण की ऐसी क्रांति पहले कभी नहीं दिखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने नरेन्द्र मोदी पर अपना भरोसा जताया था।

आज जनता के इसी भरोसे ने 2014 से 2023 के नौ वर्षों की अवधि में देश की ''समृद्धि रूपी'' रेल गाड़ी को ''विकास रूपी पटरियों'' पर तेजी से दौड़ाने का कार्य किया है। इन नौ वर्षों में मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा तक, निःशुल्क खाद्यान्न से लेकर निशुल्क इलाज तक, किसानों के विकास से लेकर गरीबों के आवास तक, सेना के आधुनिकीकरण से लेकर सीमाओं की सुरक्षा तक, प्रत्येक नागरिक को वैक्सीन पहुंचाने से लेकर हथियार और मोबाइल उत्पादन तक हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किये हैं। पहले भारत दवाओं और टीकों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहता था। कोरोना काल में मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत ने कोविड के दो स्वदेशी टीके न केवल विकसित किए बल्कि कई देशों को इनकी आपूर्ति भी की। केन्द्र सरकार ने 80 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रधानमंत्री की दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि देश में करीब 50 करोड़ जनधन खाते गरीबों के लिए खोले गए। इन नौ वर्षों में नौ करोड़ से अधिक उज्ज्वला गैस कनेक्शन गरीबों को दिए गए। धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ के भव्य कॉरिडोर का निर्माण, बद्रीनाथ धाम का मास्टर प्लान और केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण ये कुछ ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जिनको आने वाली पीढ़ियां भी हमेशा याद रखेंगी। आज भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखंड में विकास के कार्य तेजी से हो रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा 01 लाख 81 हजार गरीब परिवारों को तीन गैस सिलेंडर मुफ्त दिये जा रहे हैं। प्रदेश की महिलाओं के लिये क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था को लागू करना हो, समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करना हो, जबरन धर्मांतरण पर रोक के लिये कानून बनाना हो, देश का सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून बनाना हो, आंदोलनकारियों को आरक्षण देना हो या फिर हाल ही में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे प्रदेश के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति देने के लिए उठाए गए कदम हों, इन सभी महत्वपूर्ण कार्यों को धरातल पर उतारने का प्रयास किया है। आज प्रदेश के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अनेकों कार्य किये जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 09 सालों में देश में विकास के हर क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वजह से वैश्विक स्तर पर भारत को एक नई पहचान मिली है। उनको विदेशों में जो सम्मान मिल रहा है, वह हर भारतवासी का सम्मान है। समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। समाज के अन्तिम पंक्ति पर खड़े लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

जन्मदिन की पार्टी मनाकर लौट रहे युवकों की कार खाई में गिरी

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

एक की मौत ,तीन गंभीर घायल ,एसडीआरएफ ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

पौड़ी। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है यहां दोस्तों संग जन्मदिन मना कर लौट रहे युवक की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा पौड़ी के भैंसकोट गांव के पास हुआ है। हादसे में जहां युवक की मौत हो गई है। वहीं उसके तीन दोस्त घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस- एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर घायलों को अस्पताल में पहुंचाया। घटनाक्रम के मुताबिक देर रात्रि थाना श्रीनगर द्वारा एसडीआरएफ को सूचना दी गयी कि भैंसकोट-ख़रिसू मार्ग पर श्रीनगर की ओर आते हुए एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गयी है जिसमें रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है।

उक्त सूचना मिलते ही मुख्य आरक्षी अजय बिष्ट के हमराह एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम मय रेस्क्यू उपकरणों के तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई ।एसडीआरएफ टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुँचकर देखा गया कि एक आई10 कार जिसमें 04 लोग सवार थे, अनियंत्रित होकर लगभग 50 मीटर गहरी खाई में गिर गयी थी। एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम द्वारा त्वरित बचाव अभियान चलाते हुए स्थानीय लोगों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए रात्रि के घनघोर अंधेरे के बीच कड़ी मशक्कत करते हुए 03 घायलों को निकालकर अस्पताल पहुँचाया जबकि एक व्यक्ति जिसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी थी, के शव को बाहर निकालकर जिला पुलिस के सुपर्द किया गया। बताया जा रहा है कि मामले की जांच में पता चला है कि मृतक युवक कार सवार दोस्तों संग अपने जन्मदिन की पार्टी कर लौट रहा था। इस दौरान उसकी कार खाई में गिर गई। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान कौशल चमोली पुत्र मोहन चमोली निवासी ग्राम बलोडी श्रीनगर उम्र 36 वर्ष के रूप में हुई है। जबकि घायलों का नाम अंकित पुत्र जयकृत निवासी बलोडी श्रीनगर उम्र 33 वर्ष, शिशांक बहुगुणा पुत्र हीराबल्भ बहुगुणा निवासी उपरोक्त उम्र 31 वर्ष, सुशील सिंह पुत्र गजपाल सिंह निवासी उपरोक्त उम्र 38 वर्ष बताया जा रहा है।

पांच बच्चों को कर दिया अनाथ धारदार हथियार से पत्नी की हत्या कर पति फरार

पुलिस मामले की जांच में जुटी है साथ ही फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस और स्थानीय निवासी ।

पथरी। हरिद्वार पथरी थाना क्षेत्र के गांव बुक्कनपुर में पति अपनी पत्नी की धारदार हथ्यार से हत्या कर फरार हो गया। हत्या का कारण आपसी विवाद की बात सामने आई है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस घटना स्थल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये जिलाअस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है साथ ही फरार आरोपी की तलाश कर रही है। पथरी एसएसआई लोकपाल परमार ने बताया कि पत्नी आशमा 45 वर्ष का अपने पति मुस्तकीम के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद होने पर मुस्तकीम ने अपनी पत्नी की गर्दन पर धारदार हथ्यार से वार कर दिया। गर्दन पर धारदार हथ्यार से वार करने पर उसकी गर्दन कट गई और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पत्नी की हत्या के बाद पति मौके से फरार हो गया। घर पर मौजूद उसके बच्चों ने शोर शराबा किया तो आसपास के लोग वहां एकतंत्र हो गए और मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामे की कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिये जिलाअस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस फरार आरोपी मुस्तकीम की तलाश में लगी है। साथ ही म्रतक महिला के परिजनों को घटना की जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि महिला गांव भूखरेडी, भोपा मोरना उत्तर प्रदेश की रहने वाली है। दोनों के तीन बेटे व दो बेटियां है।

एसएसआई लोकपाल परमार ने बताया महिला के गर्दन पर धारदार हथ्यार से वार कर हत्या की गई है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। साथ ही महिला के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है।

अल्कोहल्स या आईपीए प्रयोग पर नियम जरूरी

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

हरिद्वार। जॉम्बिया में कफ सीरप से बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने पंजाब में तैयार किए जा रहे कफ-सिरप के लिए उत्पाद-चेतावनी जारी की। इन कफ-सिरप्स में जहरीले डाईइथिलीन ग्लाइकोल और इथिलीन ग्लाइकोल की अस्वाकार्य मात्रा पाई गई थी। इसके बाद दवाइयों में सरकार को आइसोप्रोपाइल अल्कोहल्स या आईपीए के प्रयोग के नियमों के उल्लंघन की ओर भी ध्यान देना जरूरी है।

आईपीए रंगहीन, ज्वलनशील और तेज गंध वाला विलायक द्रव होता है। इसका व्यापक प्रयोग दवाइयां और दवाइयों के नुस्खे तैयार करने में किया जाता है।

यह हॅड-सैनिटाइजर्स, एंटीसेप्टिक्स और डिस्इन्फेक्टेंट्स जैसे उत्पादों में भी प्रयोग किया जाने वाला सामान्य तत्त्व है। हालांकि, जिस प्रकार कफ- सिरप्स उत्पादक अवैध रूप से डाईइथिलीन ग्लाइकोल और इथिलीन ग्लाइकोल का प्रयोग ग्लिसरीन और प्रोपाइलीन ग्लाइकोल के सस्ते विकल्प के रूप में कर रहे हैं, अन्य भारतीय दवा निर्माता भी नियमित रूप से सस्ते और आयातित आईपीए का प्रयोग कर रहे हैं।

देवभूमि को साजिश का शिकार बनाने वाले राक्षसों को बाहर किया जाए : श्रीमहंत रविन्द्र पुरी

महंत दर्शन भारती को जान से मारने धमकी, सिर कलम करने वाले को पांच करोड़ रूपए का इनाम देने की घोषणा की गयी है

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। उत्तरकाशी के पुरोला में महापंचायत का समर्थन कर रहे देवभूमि रक्षा आभियान संस्थापक और निरंजनी अखाड़े के महंत दर्शन भारती को जान से मारने की धमकी मिली है। जिसकी अखाडा परिषद ने घोर निंदा की है। अखिल भारतीय अखाडा परिषद एवं मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज ने कहा कि महंत दर्शन भारती को जान से मारने धमकी मिली है और उनका सिर कलम करने वाले को पांच करोड़ रूपए का इनाम देने की घोषणा की गयी है।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद इसकी घोर निंदा करते है। उनकी मांग है कि जिसने भी यह पत्र लिखा है उसकी जांच होनी चाहिए और इस पर सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। श्री महंत रविंद्र पुरी महाराज ने धामी सरकार द्वारा देवभूमि उत्तराखंड में लव जिहाद, लैंड जिहाद के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि देवभूमि को साजिश का शिकार बनाने वाले राक्षसों को बाहर किया जाए। उन्होंने कहा कि ओवैसी जैसे लोग महापंचायत रोकने के लिए बयान बाजी करते है। देवभूमि के सन्तो के सिर कलम करने की धमकी दी जाती है। उन्होंने चेतावनी दी है कि जिहादी चाहे कितनी भी कोशिश कर ले लेकिन जागृत हिन्दू समाज अब डरने वाला नही है। स्वामी दर्शन भारती को मिली धमकी के बाद संत समाज भी काफी आक्रोशित नजर आ रहा है। किसी भी व्यक्ति को खुलेआम धमकी देना यह निंदनीय है इस तरह के जिहादी प्रवृत्ति के लोगों पर सरकार को जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सन्त समाज हमेशा ही जिहादियों से युद्ध करता रहा है। जिहादियों ने जितने भी सर कलम किए उसके बावजूद भी संत समाज कभी झुका नहीं। महंत दर्शन भारती ने उत्तराखंड और सनातन संस्कृति बचाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी जैसे लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए यह दोगली राजनीति करते हैं हमारा संत समाज एकजुट है हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है देव भूमि की रक्षा के लिए हमें आगे आना होगा।

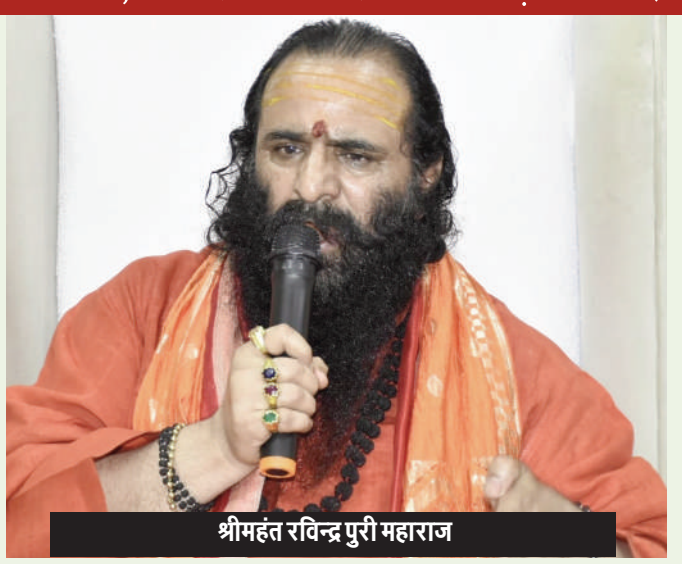
श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज

मांग है कि जिसने भी यह पत्र लिखा है उसकी जांच होनी चाहिए और इस पर सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए।

लक्सर पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ पुलिस ने एक को दबोचा

हरिद्वार,उत्तराखंड प्रहरी(संवाददाता)। सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों की नुमाइश कर उसे वायरल करना डीएम नाम के युवक को भारी पड़ गया। पुलिस ने आरोपित को अवैध तमंचे व चार जिंदा कारतूस क साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकद्मा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है। जानकारी के मुताबिक शिवम उर्फ डीएम पुत्र राजकुमार निवासी सुल्तानपुर कोतवाली लक्सर जिला हरिद्वार ने अवैध तमंचे के साथ अपना वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो को पुलिस ने संज्ञान लेते हुए युवक की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपित युवक को लक्सर क्षेत्र के ग्राम जसोदरपुर तिराहा सुल्तानपुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के पास से अवैध तमंचा व 04 जिन्दा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकद्मा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

समाजसेवी डॉ. विशाल गर्ग की मौजूदगी में संस्था द्वारा ब्रह्मकुंड में पांच सौ लावारिस लोगों की अस्थियों का विसर्जन किया

हरिद्वार के हर की पौड़ी में लावारिस आस्तियों के विसर्जन से पूर्व पूजा अर्चना करते हुए।

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। राजस्थान की सामाजिक संस्था श्रीनाथ गौशाला ट्रस्ट द्वारा पांच सौ लावारिस लोगों की अस्थियों का हर की पौड़ी ब्रह्मकुंड पर विसर्जन किया गया। गंगा में विसर्जित की गयी लावारिसों की अस्थियां राजस्थान के विभिन्न स्थानों से एकत्र हरिद्वार लायी गयी थी। वैदिक विधान से सभी अस्थियों को गंगा में विसर्जित किया गया।

संस्था की अध्यक्ष संतोष जायसवाल ने बताया कि संस्था राजस्थान के विभिन्न स्थानों से लावारिस लोगों की अस्थियों को एकत्र हरिद्वार लाकर गंगा में विसर्जित करती है। इसमें आने वाला पूरा खर्च संस्था वहन करती है। उन्होंने बताया कि 2011 से शुरू किए लावारिस अस्थियों के विसर्जन अभियान के तहत अब तक 7000 लावारिसों की अस्थियां गंगा में विसर्जित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अभियान लगातार चलाया जाएगा। अस्थि विसर्जन में स्थानीय समाजसेवी डॉ. विशाल गर्ग एवं पुण्यदायी अभियान सेवा समिति के पदाधिकारी व सदस्य भी शामिल रहे। डा.विशाल गर्ग ने बताया कि सनातन हिंदू संस्कृति में बताए गए 16 संस्कारों में सबसे अंतिम अस्थि विसर्जन संस्कार के बाद ही मृत आत्मा को सद्गति व शांति प्राप्त होती है।

राजस्थान की सामाजिक संस्था श्रीनाथ गौशाला ट्रस्ट द्वारा किया गया विसर्जन

गंगा में विसर्जित की गयी लावारिसों की अस्थियां राजस्थान के विभिन्न स्थानों से एकत्र हरिद्वार लायी गयी थी

लेकिन दुर्भाग्य से अनेक लावारिसों की मृत्यु के बाद उनकी अस्थियों को गंगा की गोद नहीं मिल पाती है। उन्होंने कहा कि श्रीनाथ गौशाला चैरिटेबल ट्रस्ट लावारिसों की अस्थियों को गंगा में प्रवाहित कर सराहनीय कार्य कर रही है। इसके लिए संस्था के पदाधिकारी व सदस्य साधुवाद के पात्र है। अन्य संस्थाओं व संगठनों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस दौरान आशा शर्मा, रविंद्र गोयल, अवनीश गोयल, बीके मेहरा, आनंद प्रकाश आदि मौजूद रहे।

18 जून को वृहद स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाये जाने के सम्बन्ध में अधिकारियों की बैठक आयोजित

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पी.एल. शाह की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को कलक्ट्रेट में आगामी 18 जून, 2023 (रविवार) को वृहद स्तर पर चलाये जाने वाले स्वच्छता अभियान के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों की एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी पी.एल. शाह ने बताया कि इस पूरे स्वच्छता अभियान की उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड द्वारा मानिटरिंग की जा रही है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्वच्छता अभियान के लिये जिन-जिन उपकरणों या संसाधनों की आवश्यकता हो, उसकी पूरी व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। उन्होंने ये भी निर्देश दिये कि स्वच्छता अभियान के तहत जो भी कूड़ा इकट्ठा हो, उसे निर्धारित प्रोसेसिंग स्थान पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बीएचईएल के अधिकारियों से भी कहा कि वे अपने क्षेत्र में साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था करना सुनिश्चित करें तथा सभी अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुये स्वच्छता अभियान में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें।

स्वच्छता अभियान चलाये जाने के सम्बन्ध में बैठक करते अधिकारी ।

पी.एल. शाह ने निर्देश दिये कि जिस क्षेत्र में भी आप स्वच्छता का अभियान चला रहे हैं, उस क्षेत्र के समस्त फोटोग्राफ्स, बनाये गये ह्वाट्सऐप ग्रुरप पर भेजना भी सुनिश्चत करें। इस अवसर पर एमएनए रूड़की विजय नाथ शुक्ल, ईओ नगरपालिका सुल्तानपुर, अजय कुमार, कलियर गौहर हयात, पाडलीगुर्जर दीपक कुमार शर्मा, नगरपालिका परिषद लक्सर सी.एस. शर्मा, नगर निगम रूड़की सचिन कुमार, भगवानपुर नौशाद, लण्ढौरा सुरेन्द्र, ढण्डेरा संजय, ईओ शिवालिक नगर मामचन्द, मंगलौर मोहम्मद कामिल, झबरेड़ा रमेश पाठक, नगर निगम हरिद्वार डॉ. तरूण मिश्रा, बीएचईएल के अधिकारीगण सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

मोडिफाइड साइलेंसर से पटाखे की आवाज निकालकर व प्रेशर हार्न बजाने के जुर्म में तीन को गिरफ्तार

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। मॉडिफाइड साइलेंसरों, तेज पटाखे की आवाज करने वाले वाहनों का प्रयोग कर राहगीरों को डराने की मिल रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एसएसपी ने ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए थे। जिसके चलते पुलिस ने कार्यवाही करते हुए मोडिफाइड साइलेंसर से पटाखे की आवाज निकालकर व प्रेशर हार्न बजाकर आम जनता में दहशत का माहौल करने के जुर्म में पुलिस ने तीन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों को लक्सर मार्केट के पास से पकडा। पुलिस ने तीनों के खिलाफ पुलिस एक्ट व एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए मॉडिफाइड बुलेट मोटरसाइकल को सीज कर दिया। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने अपने नाम हरविंद्र पुत्र ललित कुमार निवासी मुण्डाखेडा कंला लक्सर, अमन कुमार पुत्र सतीश कुमार निवासी ग्राम खण्डंजा लक्सर व अभिषेक शर्मा पुत्र उमाकांत शर्मा निवासी ग्राम अलावलपुर लक्सर बताए। पुलिस ने तीनों का चालान कर दिया है।

लक्सर पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

हरिद्वार में धड़ल्ले से चल रही अवैध पार्किंग को लेकर भाजपाईओं ने किया सिंचाई विभाग के एक्शन का घेराव

ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई हो जिसे सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है।

हरिद्वार में अवैध पार्किंग को लेकर अधिकारी को ज्ञापन सौंपते भाजपा कार्यकर्ता और अवैध पार्किंग।

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। सर्वानंद घाट से गुप्तानंद घाट तक धड़ल्ले से चल रही अवैध पार्किंग को लेकर सिंचाई विभाग के एक्शन का घेराव किया। भाजपा नेता पूर्व जिला महामंत्री भाजयुमो पार्षद प्रतिनिधि विदित शर्मा ने कहा कि सर्वानंद घाट से लेकर गुप्त आनंद घाट तक कुछ असामाजिक तत्व सिंचाई विभाग की भूमि पर अवैध तरीके से पार्किंग के नाम पर लोगों से 100 पार्किंग 200 रेडी पटरी के पैसे वसूल रहे हैं इसको लेकर अधिशासी अभियंता मंजू सिंह को ज्ञापन सौंपा। कहा ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई हो जिसे सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है। देश विदेश से आने वाला पर्यटक हर की पौड़ी के बाद सर्वानंद घाट जो कि एक विकसित घाट है वहां पर स्नान करने आता है उनसे अवैध वसूली की जा रही है। स्थानीय लोगों को भी नहीं बख्शा जाता जबकि ना सिंचाई विभाग ने उसका टेंडर निकाला है ना ही नगर निगम ने टेंडर निकाला है फिर किन लोगों की सह पर धड़ल्ले से पार्किंग के नाम पर आम जनमानस को लूटा जा रहा है। भाजयुमो के मंडल अध्यक्ष अंकुश भाटिया व भाजपा नेता अकाश भाटी ने कहा कि इस प्रकार का आम जनमानस के साथ दुर्व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह कहीं ना कहीं दोनों विभागों की मिलीभगत से लूट की जा रही है इससे आम जनमानस त्रस्त है गरीब व्यापारी परेशान हैं हजार रुपे पर ढाबा 100 पार्किंग 200 रेडी 50000 सिक्योरिटी इस प्रकार से लूट से आम जनमानस का दोहन किया जा रहा है। घेराव करने वालों मे प्रदीप त्यागी, आदित्य झा, महामंत्री विनय निगम, प्रशांत धाकड़, नमन शर्मा, मनीष शर्मा, उमेश भारद्वाज, अकाश त्यागी, परमिंदर आदि लोग मौजूद रहे

किन लोगों की सह पर धड़ल्ले से पार्किंग के नाम पर आम जनमानस को लूटा जा रहा है।

पुलिस को मिली सफलता : बी.टेक मैकेनिकल छात्र निकला मोबाइल चोर

कनखल पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

हरिद्वार। थाना कनखल को सुखधाम दादू बाग कनखल निवास शिवांश माहेश्वरी द्वारा थाना कनखल में आकर सूचना दी कि प्रेम नगर आश्रम पुल के पास किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी व उसके दोस्त की स्कूटी से मोबाइल चोरी कर लिए थे। सूचना पर तुरंत हरकत में आई पुलिस घटनास्थल के नजदीक मौजूद सीपीयू में तैनात हेड कांस्टेबल गोपाल सिंह व कॉन्स्टेबल प्रदीप सिंह ने एक युवक को पकड़ कर उसके कब्जे दोनों मोबाइल बरामद हुए हैं। पकड़े गए व्यक्ति से सख्ती से पूछताछ करने पर जानकारी मिली कि वह बी.एम.एस डिग्री कॉलेज रुड़की से बीटेक मैकेनिकल की पढ़ाई कर रहा है और वर्तमान में कनखल में ही राजपूत धर्मशाला में रह रहा है। घर से खर्चे के पैसे ना मिलने पर आरोपी युवक द्वारा मोबाइल चोरी करने का तरीका ढूंढा गया और स्कूटी की कई सारी चाबियां बनवा कर घाटों के आसपास खड़ी स्कूटी से मोबाइल चुराने लगा। अभियुक्त की निशांदेही पर पुलिस टीम ने चोरी के कुल 22 मोबाइल, 06 चाबियां, 16 सिम कार्ड व 03 मेमोरी कार्ड बरामद किए गए।

कब्जे से चोरी के 22 महंगे मोबाइलों, 06 स्कूटी की चाबियां व 16 सिम कार्ड बरामद

कीमत 8 से 10 लाख रुपए के करीब, एप्पल व अन्य कंपनियों के महंगे मोबाइल भी हैं शामिल

बीटेक का छात्र है चोर, घाटों के पास नहाने वालों की स्कूटी को बनाता था निशाना

मेयर अनीता शर्मा ने नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों को किया सम्मानित

सम्मानित हुए अधिकारीयों और कर्मचारियों के साथ मौजूद महापौर अनीता शर्मा।

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

हरिद्वार। नगर निगम परिसर स्थित मेयर कार्यालय पर टैक्स अनुभाग एवं निर्माण विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा किये गये कार्यों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें निगम के टैक्स अनुभाग के सहायक नगर आयुक्त, कर अधीक्षक, कर निरीक्षक एवं कर्मचारीगणों द्वारा वित्तीय वर्ष 2022/2023 में रिकार्ड तोड़ टैक्स वूसला गया है एवं निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता, अवर अभियन्ता एवं कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा निगम क्षेत्र में पुलिया, सड़क एवं नाली इत्यादि का कार्य ससमय किया गया। जिसके लिये सभी को मेयर अनिता शर्मा द्वारा कर अनुभाग एवं निर्माण अनुभाग के अधिकारियों को पुष्प माला एवं प्रतीक चिन्ह उपहार सहित देकर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर मेयर ने कहा कि नगर निगम, हरिद्वार में कार्यरत समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगणों द्वारा अपनी पूर्ण निष्ठा एवं लगनशीलता के साथ कार्य किया जा रहा है एवं हरिद्वार शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाये जाने के लिए कार्य किया गया है। जिसके लिये सभी अधिकार व कर्मचारी साधुवाद के पात्र हैं। भविष्य में भी इसी प्रकार से नगर निगम, हरिद्वार को उच्च शिखर तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। जिसमें समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगणों द्वारा आश्वासन दिया गया कि सभी अपना कार्य पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगें। महापौर प्रतिनिधि अशोक शर्मा ने कहा कि नगर निगम, हरिद्वार में महापौर, अधिकारी एवं कर्मचारीगण सभी एक पेड़ है, जिसको एक टीम के साथ काम करना चाहिए तथा टैक्स अनुभाग एवं निर्माण अनुभाग द्वारा किये गये कार्य बहुत सराहनीय है। भविष्य में इसी प्रकार से कार्य करने हेतु अनुग्रह किया गया। सम्मान समारोह के अवसर पर पार्षद तहसीन अंसारी, सुहैल कुरेशी, मेहरबान खान, जनसम्पर्क अधिकारी देवेश गौतम, महापौर स्टेनो राजू, सहायक नगर आयुक्त श्याम सुन्दर प्रसाद, अधिशासी अभियन्ता रचना पायल कर अधीक्षक सुनीता सक्सेना, कर निरीक्षक लक्ष्मीकांत भटट, रामअवतार, नाथीराम, अवर अभियन्ता जगदीश, प्यारेलाल, दिनेशचन्द काण्डपाल, वरिष्ठ सहायक अखिलेश शर्मा, अमन गम्भीर टी.सी. पूर्णिमा, पूजा, सकलानन्द, सुभाष, अनिकेत, संजीव, देशराज राठौर, बृजपाल आदि उपस्थित थे।

समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा किये गये कार्यों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

भविष्य में भी इसी प्रकार से नगर निगम, हरिद्वार को उच्च शिखर तक पहुँचाने का कार्य करेंगे।

हाइब्रिड मॉडल पर 31 अगस्त से 17 सितंबर तक होगा एशिया कप : एसीसी

नई दिल्ली। एशिया कप को लेकर महीनों से चली आ रही अनिश्चितता की स्थिति को खत्म करते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि टूर्नामेंट 31 अगस्त से 17 सितंबर तक हाइब्रिड मॉडल पर खेला जाएगा जिसमें चार मैच पाकिस्तान में और नौ श्रीलंका में होंगे।

इस एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर गतिरोध पिछले सप्ताह समाप्त हुआ जब जय शाह की अगुवाई वाले एसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दी।

बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा था कि दोनों देशों के बीच जारी राजनीतिक तनाव कारण वह अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेगा।

एसीसी ने एक बयान में कहा , हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि 2023 एशिया कप 31 अगस्त से 17 सितंबर तक खेला जाएगा जिसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और नेपाल की टीमें भाग लेंगी।

इसमें कहा गया , टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर खेला जाएगा जिसमें चार मैच पाकिस्तान में और बाकी नौ श्रीलंका में खेले जाएंगे।

इस सत्र में दो समूहों में टीमों को बांटा जाएगा और हर समूह से शीर्ष दो टीमें सुपर चार चरण में पहुंचेंगी। सुपर चार चरण की शीर्ष दो टीमें फाइनल खेलेंगे।

पाकिस्तान में मैच लाहौर में होंगे जबकि श्रीलंका में कैंडी और पल्लेकेले में मैच होंगे।

एशिया कप के कार्यक्रम को मंजूरी

मिलने के साथ ही अक्टूबर नवंबर में वनडे विश्व कप में पाकिस्तान टीम का भारत आना भी तय हो गया। दोनों टीमें अहमदाबाद में 15 अक्टूबर को लीग चरण में खेल सकती हैं।

समझा जाता है कि आईसीसी के सीईओ ज्यौफ अलार्डिस और चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने पिछले महीने कराची में पीसीबी चेयरमैन नजम सेठी से मुलाकात की जिसके बाद यह तय किया गया कि पाकिस्तान विश्व कप में भाग लेने के लिए कोई शर्त नहीं रखेगा अगर उसे एशिया कप के चार मैच अपने देश में कराने दिए जाएं चूंकि मेजबानी अधिकार उसके पास है।

पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट खेलने से प्रसारक एसीसी को आधा ही पैसा देते क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच दो मैच तो तय थे और फाइनल में पहुंचने पर तीसरा भी हो जाता।

पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा , मुझे खुशी है कि हाइब्रिड मॉडल का हमारा प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया। इसके मायने हैं कि पीसीबी टूर्नामेंट का मेजबान रहेगा और पाकिस्तान में मैच होंगे। तटस्थ मैच श्रीलंका में होगे क्योंकि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं आ सकती।

उन्होंने कहा , हमारे क्रिकेटप्रेमियों को खुशी होती अगर भारतीय टीम 15 साल बाद पाकिस्तान आती लेकिन हम बीसीसीआई की स्थिति समझते हैं। पीसीबी की तरह बीसीसीआई को भी सरकार से मंजूरी लेनी होती है।

विश्व कप चरण तीन: किशोर तीरंदाज भजन क्वालीफायर में शीर्ष 10 में रही

मेडेलिन। किशोर तीरंदाज भजन कौर विश्व कप चरण तीन के रिकर्व महिला क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही जबकि अन्य भारतीय तीरंदाजों ने निराश किया। कोरिया के तीरंदाजों ने उम्मीद के मुताबिक एक बार फिर दमदार प्रदर्शन किया। भारत की 17 साल की भजन ने अपने पदार्पण विश्व कप पर प्रभावित करते हुए 668 अंक के साथ नौवां स्थान हासिल किया। संगीता (651) और तनीषा वर्मा (648) क्रमशः 30वें और 36वें स्थान पर रहे जिससे महिला टीम रैंकिंग सातवें स्थान पर खिसक गई हैं।

महिलाओं में शीर्ष तीनों स्थान कोरियाई तीरंदाजों ने हासिल किए जिसमें शंघाई विश्व कप की स्वर्ण पदक विजेता लिम सिह्योन (684) पहले स्थान पर रही। पुरुषों के क्वालीफिकेशन में 16वें स्थान पर रहने के साथ तुषार शेल्के (671) भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ रहे। इस वर्ग में शीर्ष तीनों स्थान पर कोरिश के तीरंदाज रहे। किम वुजिन 696 अंक के साथ शीर्ष पर रहे। अन्य भारतीयों में मृणाल चौहान (670) 20वें जबकि धीरज बोम्मादेवरा उनसे एक अंक पीछे 23वें स्थान पर रहे। भारतीय पुरुष टीम रैंकिंग में चौथे स्थान पर है और टीम सेमीफाइनल में कोरिया से भिड़ सकती है।

जूनियर खिलाड़ियों पर ज्यादा अभ्यास से थकान हावी, रिले दौड़ में वैकल्पिक खिलाड़ियों की कमी: नायर

भुवनेश्वर। महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में 2002 से 2018 तक लगातार पांच स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम आगामी एशियाई खेलों के लिए छह सदस्यीय टीम के चयन के लिए संघर्ष कर रही है। मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने इसके लिए जूनियर एथलीटों से विकल्पों की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि विकल्पों की यह कमी कम उम्र में जरूरत से ज्यादा अभ्यास से होने वाली थकान है। नायर ने कहा कि हांगझोऊ एशियाई खेलों (23 सितंबर से आठ अक्टूबर) में भारत स्वर्ण पदक जीतने के लिए संघर्ष करेगा क्योंकि कुछ होनहार 400 मीटर के कुछ होनहार जूनियर स्तर पर बहुत अच्छा प्रदर्शन करने के बाद बाहर हो गए। नायर ने राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से इतर पीटीआई-भाषा से कहा, हमें जूनियर स्तर के खिलाडयों से सीनियर स्तर का विकल्प नहीं मिल रहा है। उन्होंने हरियाणा की रूपल चौधरी का उदाहरण दिया। रूपल ने कोलंबिया में पिछले साल विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर रिले का हिस्सा होने के अलावा 51.85 सेकंड के प्रभावशाली समय के साथ व्यक्तिगत 400 मीटर कांस्य पदक जीता था। उन्होंने इसके साथ ही प्रिया मोहन और रेजोआना मलिक हिना का भी उदाहरण दिया। नायर ने कहा आपने रूपल (चौधरी) को देखा होगा, वह कहाँ है? उसने पिछले साल कैली, कोलंबिया (विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप) में पांच दौड़ लगाई थी। आखिरी दौड़ में, उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। लेकिन वह आयु वर्ग से आगे नहीं बढ़ी। वह कम उम्र से ही जरूरत से ज्यादा अभ्यास करती थी।

कारोबार

शेयर बाजार में तीन कारोबारी सत्रों के बाद गिरावट , सेंसेक्स 311 अंक फिसला

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख कायम रखने के संकेतों के बीच स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से प्रमुख सूचकांकों में तीन कारोबारी सत्रों के बाद गिरावट आई। कारोबारियों ने कहा कि यूरोपीय बाजारों में कमजोर शुरुआत और रुपए में नुकसान ने भी निवेशकों की जोखिम उठाने की धारणा पर असर डाला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 310.88 अंक यानी 0.49 प्रतिशत गिरकर 62,917.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 357.43 अंक तक गिर गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 67.80 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,688.10 पर बंद हुआ। इसके पहले लगातार तीन कारोबारी सत्रों में बाजार में बढ़त रही थी। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में विप्रो को सर्वाधिक दो प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी और बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ नेस्ले, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एशियन पेंट्स और मारुति सुजुकी के शेयरों में बढ़त रही।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजारों ने फेडरल रिजर्व की आक्रामक टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी जिसमें इस साल दो बार और ब्याज दरें बढ़ाने की बात कही गई है। हालांकि, व्यापक बाजार में तेजी का रुख देखा गया। व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप 0.30 प्रतिशत और स्मॉलकैप 0.12 प्रतिशत चढ़ गए। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने उच्च मुद्रास्फीति से निपटने के लिए नीतिगत ब्याज दर को लगातार 10 बार बढ़ाने के बाद बुधवार को इसमें कोई बदलाव नहीं किया। हालांकि, फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया है कि वह इस साल आगे ब्याज दर में दो बार बढ़ोतरी कर सकता है। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि चीन के शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में बढ़त रही।

यूरोप के बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा था। बुधवार को अमेरिकी बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला था।

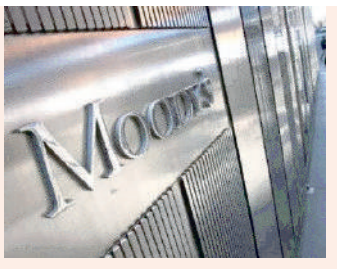

मूडीज का अनुमान, भारत के कर्ज के बोझ में संभवतः कमी आएगी

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस का अनुमान है कि भारत के कर्ज के बोझ में कमी आएगी। मूडीज ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत की राजकोषीय मजबूती के लिए कर्ज का सस्ता होना जरूरी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तीव्र वृद्धि देश के कर्ज बोझ में गिरावट के अनुमानों का एक प्रमुख बिंदु है। वर्तमान मूल्य पर जीडीपी वृद्धि दर 11 प्रतिशत रहने का अनुमान है। भारत में सामान्य सरकारी कर्ज अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए यह जीडीपी का लगभग 81.8 प्रतिशत रहा है जबकि बीएए-रेटिंग के लिए इसका औसत लगभग 56 प्रतिशत है। मूडीज ने भारत को स्थिर परिदृश्य के साथ बीएए3 की क्रेडिट रेटिंग दी हुई है। बीएए3 निवेश योग्य सबसे निचली रेटिंग है।

रुपया 14 पैसे टूटकर 82.19 प्रति डॉलर पर

मुंबई। विदेशों में डॉलर के मजबूत होने और घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के बीच रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे कमजोर होकर 82.19 प्रति डॉलर के (अस्थाई) भाव पर आ गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर अपरिवर्तित रखने के फैसले, लेकिन आगे इनमें बढ़ोतरी का संकेत दिए जाने के बाद अमेरिकी डॉलर में आई मजबूती से रुपए में गिरावट आई। हालांकि विदेशी पूंजी का प्रवाह बढने और कच्चे तेल की कीमतों ने रुपए को निचले स्तर पर समर्थन दिया।

अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.16 के भाव पर कमजोरी के साथ खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव से 14 पैसे गिरकर 82.19 (अस्थाई) प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 82.02 के ऊपरी स्तर तक गया और 82.25 के निचले स्तर तक आया।

इस तरह रुपए में 14 पैसे की कमजोरी दर्ज की गई। बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 82.05 पर बंद हुआ था।

दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत बढ़कर 103.03 पर पहुंच गया।

बीएनपी पारिबा बाय शेयरखान में शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर पर आक्रामक रुख कायम रखने से डॉलर में मजबूती दर्ज की गई। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और कमजोर घरेलू बाजारों के बीच रुपए का रुख हल्का नकारात्मक होगा।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.98 प्रतिशत बढ़कर 73.92 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

घरेलू स्तर पर तीन दिन की तेजी के बाद बीएसई का सूचकांक सेंसेक्स 310.88 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62,917.63 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 67.80 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,688.10 पर बंद हुआ।

संपादकीय

बंगाल में रक्तपात क्यों?

पश्चिम बंगाल की रक्तरंजित संस्कृति किसकी देन है? क्या भारत के क्रांतिकारी, सभ्य, संभ्रांत बंगाल की सांस्कृतिक विरासत मार-पीट, खूंरेजी और बर्बर हत्याओं की हो सकती है? चुनाव तो संविधान और लोकतंत्र का अंतरंग हिस्सा हैं, तो फिर पंचायत चुनावों से पहले बंगाल के कई आदरणीय इलाकों में ल_बाज, बमबाज, पत्थरबाज और कातिल नौजवानों की भीड़ कहां से आई है और उन्हें कौन संरक्षण दे रहा है? क्या बंगाल में मताधिकार भी सिर्फ 'किताबी' रह गया है? क्या सियासत और सत्ता के मायने हिंसा और हत्याएं ही हैं? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद हिंसा की शिकार रही हैं और वह पीड़ा, प्रहार झेलकर बीते 12 सालों से राज्य की मुख्यमंत्री हैं, तो उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता राज्य को सरेआम रक्तरंजित कैसे कर सकते हैं? औसतन 25-30 राजनीतिक हत्याएं हर साल की जाती हैं, यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का खुलासा है। ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। इस खूनी खेल में भाजपा, कांग्रेस और वामदल भी शामिल हैं। बंगाल के चुनावों में और रोजमर्रा के जीवन में हिंसा और हत्याओं की विरासत वाममोर्चा की है। उसने राज्य पर 34 लंबे साल तक शासन किया है। गली-कूचे साक्षी हैं कि वामपंथियों ने कत्लेआम के जरिए किस तरह हुकूमत चलाई थी! आज ममता और तृणमूल की दोहरी जिम्मेदारी इसलिए है, क्योंकि सत्ता उनके हाथों में है और अहिंसक राजनीति का वायदा भी उन्हीं का था। बंगाल में बदलाव लाने के बजाय ममता ने भी 'अपराधीकरण की राजनीति' को बढ़ावा दिया है। प्रश्रय दिया है।

राज्य की पुलिस ममता सरकार के अधीन कार्यरत है, लेकिन जहां टकराव होते हैं, लहूलुहान किया जाता है, बम बनाकर फोड़े जाते हैं, वहां पुलिस मूकदर्शक रहती है अथवा मुंह घुमा लेती है! इससे यथार्थ छिप नहीं सकता। यकीनन यह विडंबना और लानत है। ममता देश भर में लोकतंत्र और संघवाद की पैरोकार बनी रहती हैं। दीदी ही बता सकती हैं कि मुर्शिदाबाद, बीरभूम, पूर्वी मिदनापुर, पूर्वी बर्दवान, कूचबिहार, नॉर्थ-साउथ 24 परगना आदि इलाकों में बम कहां से आते हैं? विभिन्न समूहों में हिंसक टकराव और रक्तपात क्यों होते रहे हैं? क्या पंचायत चुनाव के लिए ऐसा माहौल और मार-काट भी 'लोकतांत्रिक' है? 2018 के पंचायत चुनावों में 20,000 से अधिक उम्मीदवार निर्विरोध जीते दिखाए गए थे। उनमें 80 फीसदी से ज्यादा तृणमूल या उसके समर्थित प्रत्याशी थे। सर्वोच्च अदालत ने ऐसे लोकतंत्र, चुनाव और कथित जनादेश पर गंभीर टिप्पणी करते हुए उसे 'जनादेश का मजाक' करार दिया था। सिर्फ पंचायत ही नहीं, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भी बंगाल लहूलुहान होता रहा है। इन चुनावी हिंसाओं में जो नागरिक मारे जा चुके हैं, क्या ममता बनर्जी उनका हिसाब-किताब देंगी? उन हत्याओं की जवाबदेही किसकी है? पंचायत तो हमारे लोकतंत्र की बुनियाद है। राजीव गांधी के प्रधानमंत्री-काल में पंचायती राज कानून के लिए संविधान में दो विशेष संशोधन संसद ने पारित किए थे।

महाराजा दाहिर सेन का बलिदान

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

16 जून का दिन भारत के इतिहास का बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। इसी दिन सप्त सिन्धु क्षेत्र के सिन्ध प्रदेश पर अरब हमलावरों का मुकाबला करते हुए सिन्ध नरेश महाराजा दाहिर सेन शहीद हुए थे। अरबों का भारत से संबंध दो प्रकार से रहा है। पहला अरब क्षेत्रों में इस्लाम के उदय होने से पूर्वकाल में और दूसरा वहां इस्लाम के उदय होने के बाद के काल में। पहले कालखंड का संबंध सकारात्मक था। अरब लोग समुद्र के रास्ते भारत में व्यापार करने के लिए आते थे। इसलिए उनका आना-जाना ज्यादातर दक्षिण में ही होता था। भारत के मसालों की बहुत मांग रहती थी। यहां के ज्ञान विज्ञान का भी उन्होंने यूरोप तक प्रचार-प्रसार किया, ऐसा कहा जाता है। लेकिन अरब में इस्लाम के उदय के बाद हालात बदल गए। जीवन व्यवहार के उनके पहले तौर तरीके बदल गए। इतना ही नहीं, उन्होंने इस्लाम पूर्व के अपने ही पूर्वजों के काल खंड को 'जाहिलियत काल' कहना शुरू कर दिया। उनका मानना था कि अब उनका 'उदय काल' शुरू हुआ है।

इसका पहला खामियाजा इरान को भुगतना पड़ा और दूसरा भारत को। लेकिन इस बार यह शुरुआत दक्षिण भारत से नहीं, बल्कि पश्चिमोत्तर भारत या सप्त सिंधु क्षेत्र से हुई। यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि महाराजा हर्ष की मृत्यु के बाद सप्त सिन्धु क्षेत्र राजनीतिक दृष्टि से खंडित हो चुका था। कोई एक महा प्रतापी शासक यहां नहीं रहा था। छोटे छोटे टुकड़ों में बंटा यह विशाल क्षेत्र राजनीतिक एकता के अभाव में उदय काल के अरबों का शिकार हो गया। अरबों ने इस क्षेत्र को जीतने के अनेक प्रयास किए। ये प्रयास मुआविया की खिलाफत के समय में ही शुरू हो गए थे, लेकिन अरबों को मुआविया के शासन काल में सिन्ध को जीतने का अवसर नहीं मिला। उसके बाद मुआविया वंश के स्थान पर खलीफत उन्मैयदों के हाथ आ गई। खलीफा अबद अल बिन यूसुफ खलीफा बना और उसने अबद हज्जाज बिन यूसुफ को इराक का सूबेदार नियुक्त किया। हज्जाज ने प्रारम्भिक सफलताओं के बाद जून 712 में मोहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में अरब सेना को सिन्ध पर हमला करने का आदेश दिया। उस समय महाराजा दाहिर सेन सिन्ध नरेश थे। दाहिर सेन महाराजा चच के वंश से ताल्लुक रखते थे। चच का इतिहास चचनामा में सुरक्षित है। यह राजवंश शौर्य और पराक्रम में बढ़ा चढ़ा राजवंश था। वैसे भी सिन्ध सागर से जुड़ा हुआ था, इसलिए इस राजवंश ने सुरक्षा के पुख्ता इन्तजामात कर रखे थे। नगर के चारों ओर प्राचीर तो थी है। किला भी काफी मजबूत था। मोहम्मद बिन कासिम ने यह हमला सिन्ध के उस समय के नगर देवल पर किया। देवल में ऐतिहासिक शिव मंदिर था। इसी मंदिर के कारण नगर को देवल या देवालय कहा जाता था। यह मंदिर और नगर वर्तमान कराची के नज़दीक ही था। उस समय सिन्ध प्रदेश की राजधानी अलोर थी।

लेकिन राजधानी से भी ज्यादा जरूरी देवल की रक्षा करना था। यदि अरब देवल को न जीत सके तो दोबारा शायद सिन्ध की ओर मुंह न करते। लेकिन यदि मंदिर पर अरबों का कब्जा हो गया तो अरबों को आगे बढने का रास्ता मिल जाता। सिन्ध व्यापार का भी बहुत बड़ा केन्द्र था। यदि सिन्ध पर अरबों का कब्जा हो जाता तो व्यापार का यह रास्ता शत्रु के हाथ में चला जाता। इतना ही नहीं, इस बार के अरब वे अरब नहीं थे जिनका भारत के साथ सदियों से संबंध चला आ रहा था। अब अरब दूसरे देशों पर केवल अपना राजपाट स्थापित करने के लिए ही नहीं हमला करते थे, बल्कि उनका उद्देश्य विजित प्रदेशों को इस्लाम मत में मतान्तरित करना भी होता था। इरान यह भुगत रहा था। बहुत से इरानी अपने मज़हबी विश्वासों की रक्षा के लिए ही भारत की शरण में चले आए थे। अब वह आन्धी सिन्ध के रास्ते भारत में ही प्रवेश करना चाह रही थी। भारत की रक्षा का दायित्व सिन्ध नरेश महाराजा दाहिर सेन पर था। महाराजा दाहिर सेन भी अपने इस ऐतिहासिक दायित्व को समझते थे। यही कारण था कि उन्होंने देवल की रक्षा के पुख्ता इन्तज़ाम किए थे। दाहिर सेन की योजना थी कि किसी तरह अरब सेना को सिन्धु नदी पार करने से ही रोका जाए।

नए मैदान बनाओ, पुरानों का संरक्षण करो

भूपिंदर सिंह

हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग हर साल करोड़ों रुपए नए खेल मैदानों को बनाने व पुराने मैदानों के रखरखाव के लिए जारी करता है, मगर हकीकत में इस धन राशि की खूब बंदरबांट होती है। पिछले साल अकेले मंडी जिले में लगभग चार दर्जन खेल मैदानों के लिए धन आबंटित किया था, मगर सब जगह गोलमाल ही किया हुआ है, कहीं पर भी खेल मैदान तैयार नहीं हुआ है, जो खेलने की समतल जगह थी वह भी बरबाद कर दी है। सरकार इस बंदरबांट पर कब अंकुश लगाएगी। शिक्षा का अर्थ मानव के सर्वांगीण विकास से है, यानी मनुष्य शारीरिक व मानसिक रूप से इतना सशक्त होना चाहिए कि वह जीवन में आने वाली कठिनाइयों पर सफलतापूर्वक विजय प्राप्त कर खुशहाल व स्वस्थ जिंदगी जी सके। इसलिए विद्यार्थी जीवन में किताबी ज्ञान के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस के स्तर में सुधार करना भी बेहद अनिवार्य है। किसी भी शिक्षा संस्थान का परिसर उसके खेल मैदानों से ही पहचाना जाता है कि वह किस स्तर का है। बिना

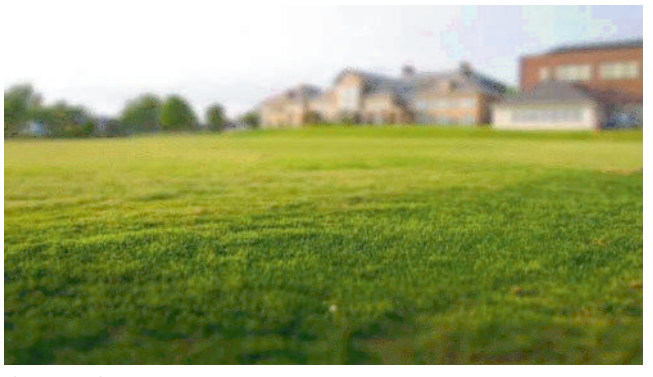

खेल मैदानों के शिक्षा संस्थान की कल्पना भी बेमानी है। मंजिल चाहे खेलों की हो या फिटनेस की, इन सबके लिए खेल मैदानों का होना बहुत जरूरी है। विद्यार्थी जीवन में ही पूरे जीवन के लिए स्वास्थ्य की नींव रखी जाती है, मगर हमारे विद्यालयों में खेल मैदानों के अभाव में विद्यार्थी की फिटनेस का कोई भी कार्यक्रम नहीं है।

हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भूभाग पहाड़ी होने के कारण मैदानों के लिए बहुत मुश्किल से लंबी-चौड़ी जगह मिल पाती है। इसलिए हिमाचल प्रदेश के शिक्षा संस्थानों के पास बहुत कम खेल मैदान हैं और जहां हैं भी, उन्हें कभी भवन तो कभी पार्किंग बना कर यूं ही बरबाद किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के मैदानों में विज्ञान के लिए प्रयोगशाला भवन तो कभी किसी और के लिए भवन बना कर खत्म कर दिया जा रहा है। मंडी जिला के धर्मपुर उपमंडल की टिहरा उप तहसील के अंतर्गत क्षेत्र में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टिहरा के खेल मैदान में विज्ञान के लिए प्रयोगशाला भवन भारी विरोध के बावजूद बनाया जा रहा है। पूर्व छात्र संघ व वहां की चार पंचायतों के लोगों ने विरोध किया, मगर कोई सुनने को तैयार नहीं था। यह पूरा क्षेत्र अवाहदेवी से लेकर गद्दीधार तक रिज पर बसा है। चलने के लिए सडक़ है, वही खेल मैदान व पार्क का काम करती है। इस क्षेत्र में वालीबॉल व कबड्डी की प्ले फील्ड होना भी बड़ी बात है। यहां पर पहले ढगवाणी विद्यालय के मैदान में जल शक्ति विभाग ने पम्पहाऊस बना दिया और अब टिहरा विद्यालय के मैदान में विज्ञान प्रयोगशाला। दूसरी तरफ इसी क्षेत्र के चोरथला, कांगो का गहरा व कमलाह स्कूल के मैदानों के लिए लाखों रुपये दिये हैं, मगर वहां भी सब आधा अधूरा है। हिमाचल प्रदेश सरकार इस विषय पर ध्यान दे ताकि भविष्य में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ स्वास्थ्य भी मिल सके। एक समय था जब विद्यार्थी सवेरे-शाम अपने अभिभावकों के साथ कृषि कार्य में हाथ बंटाता था, फिर कई किलोमीटर चल कर विद्यालय पहुंचता था।

उस समय किसी भी फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत नहीं थी, मगर आज जब पढ़ाई के लिए घर का काम बंद है, पैदल चलने का रिवाज ही नहीं है तथा खेल के नाम पर मोबाइल व कम्प्यूटर है तो फिर फिटनेस के लिए खेल मैदान तो अनिवार्य हो जाता है, नहीं तो फिर हमारी संतानें कहीं नशे के दलदल में फंस जाएंगी। उस उच्च शिक्षा का क्या अर्थ रह जाता है जिससे आप प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, अभियंता, चिकित्सक, प्रबंधक तो बन जाते हैं, मगर आप स्वस्थ रह कर साठ वर्षों तक देश व प्रदेश की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। अब तो लोग तीस-चालीस साल की उम्र में जानलेवा बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इस सबके पीछे जिम्मेदार बिना फिटनेस कार्यक्रम की स्कूली शिक्षा है। फिटनेस के इस संवेदनशील विषय पर इस कॉलम के माध्यम से सरकार व अभिभावकों को बार-बार सचेत किया जाता रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकांश विद्यालयों में पढने के लिए कमरे तो हैं, मगर उनकी फिटनेस के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है। मैदान होंगे तो तभी फिटनेस पर कार्य होगा। हिमाचल प्रदेश का शिक्षा विभाग निजी शिक्षा संस्थान खोलने के लिए तो मैदान की अनिवार्य शर्त रखता है, मगर अपने सरकारी संस्थानों के मैदानों में भवन व पार्किंग बना कर अपने ही नियमों को ठेंगा दिखा रहा है।

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

छोटी खबरें

नगरीय विकास का मॉडल होगी अयोध्या :सीएम योगी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को नगरीय विकास का मॉडल बनाने का इरादा जाहिर करते हुए बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप इस धर्मनगरी का समग्र विकास सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर आज अयोध्या पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी पहुंच कर दर्शन-पूजन किया और फिर निर्माणाधीन श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। अयोध्या के इस विशेष दौरे पर मुख्यमंत्री ने शासन स्तर के करीब दर्जन भर विभागों के अपर मुख्य सचिवाप्रमुख सचिव गणों के साथ अयोध्या में संचालित विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अयोध्या के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए अयोध्या को नगरीय विकास के मॉडल शहर के रूप में विकसित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आदित्यनाथ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप धर्मनगरी अयोध्या का समग्र विकास सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। देश-दुनिया के लोग दिव्य, भव्य, नव्य अयोध्या के दर्शन को आतुर हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि अयोध्या आने वाला हर श्रद्धालु और पर्यटक यहां से लौटते हुए एक विशिष्ट शांति, संतोष और आनंद का भाव लेकर जाएं।

मणिपुर में हुए हमले में नौ लोगों की मौत

इंफाल। इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल इलाके में बुधवार रात अज्ञात लोगों ने मणिपुर की महिला मंत्री नेमचा किपजेन के आधिकारिक आवास में आग लगा दी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि जातीय संघर्ष से प्रभावित मणिपुर के खमेनलोक इलाके के एक गांव में संदिग्ध बदमाशों के हमले में नौ लोगों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए। कुकी समुदाय की नेता किपगेन के आवास में जब आग लगाई गई, तब उसमें कोई नहीं था। दमकलकर्मियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। अभी तक किसी समूह ने आगजनी की जिम्मेदारी नहीं ली है। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले, मंगलवार देर रात करीब एक बजे हथियारबंद बदमाशों ने इंफाल पूर्वी जिले और कांगपोकी जिले की सीमा से लगे खमेनलोक क्षेत्र के कुकी गांव को घेरकर हमला शुरू कर दिया। इसके बाद हुई गोलीबारी में दोनों पक्षों के लोग हताहत हो गए। यह क्षेत्र मेइती-बहुल इंफाल पूर्वी जिले और आदिवासी बहुल कांगपोकपी जिले की सीमाओं के पास स्थित है।

इस बीच, जिला अधिकारियों ने इंफाल पूर्वी जिले और इंफाल पश्चिम जिले में कर्फ्यू में छूट के घंटे कम कर दिए हैं। पहले यह छूट सुबह पांच बजे से शाम छह बजे तक थी, लेकिन अब इसे नौ बजे से छह बजे कर दिया गया है। मणिपुर के 16 में से 11 जिलों में कर्फ्यू लागू है, जबकि इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। एक महीने पहले मणिपुर में मेइती और कुकी समुदाय के लोगों के बीच हुई जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और 310 अन्य घायल हो गए थे। राज्य में शांति बहाल करने के लिए सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया है। गौरतलब है कि मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें हुई थीं। मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की है और ए मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहते हैं। आदिवासियों- नगा और कुकी की आबादी 40 प्रतिशत है और ए पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत व उनके भाई को धमकी देने के मामले में एक और गिरफ्तारी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत और उनके विधायक भाई सुनील राउत को जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुंबई पुलिस ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि इसी के साथ इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की संख्या पांच हो गई है।

अधिकारी ने कहा कि पुलिस को पांचवें आरोपी की मामले में संलिप्तता मिली थी जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्होंने कहा, आरोपी एक राजनीतिक कार्यकर्ता भी है और शहर के पूर्वी उपनगरों के स्थानीय नेताओं के साथ उसका घनिष्ठ संबंध है। उसकी सोशल मीडिया प्रोफाइल में विधायक सुनील राउत के साथ उसकी तस्वीरें और वीडियो भी हैं।

एक अदालत ने उसे 19 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।इस संबंध में प्राथमिकी पिछले हफ्ते कांजुरमार्ग थाने में दर्ज की गई थी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने शुरू में दो लोगों को गिरफ्तार किया था, जिन्होंने पूछताछ के दौरान कुछ अन्य लोगों के नामों का खुलासा किया।

अधिकारी ने कहा कि फोन कर धमकी देने के कारण की जांच की जा रही है।

विदेश

चक्रवात बिपारजॉय : पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 62,000 लोगों को हटा कर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया

कराची। चक्रवात बिपारजॉय के बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के तटीय क्षेत्रों में दस्तक देने से पहले देश के दक्षिणी सिंध प्रांत में लगभग 62,000 लोगों को उनके घरों से हटा कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

वर्तमान में बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो चुका बिपारजॉय भारत और पाकिस्तान के करीब पहुंच रहा है, जिसकी वजह से अधिकारी जानमाल के संभावित नुकसान को कम करने के लिए एहतियाती कदम उठा रहे हैं। इसके सिंध के थट्टा जिले में केटी बंदर बंदरगाह और भारत के कच्छ जिले के बीच तट पर पहुंचने की उम्मीद है। सिंध के सूचना मंत्री शरजील मेमन ने संवाददाताओं को बताया कि सिंध के तटीय क्षेत्रों के निकटवर्ती इलाकों से लगभग 62,000 लोगों को हटा कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मेमन ने कहा, अब तक थट्टा, केटी बंदर, सुजावल, बादिन, उमेरकोट, थारपारकर, शहीद बेनजीराबाद, टंडो मुहम्मद खान, टंडो अल्लायार और संघार में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि इन लोगों को मजबूत इमारतों वाले सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में आश्रय दिया गया है और पर्याप्त भोजन, पानी और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

मेमन ने कहा कि थट्टा, केटी बंदर और सुजावल के कई इलाकों में कुछ परिवार अपने घर छोडने के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें वहां से जबरन हटाना पड़ा।

प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका में अपने सामुदायिक संबोधन में प्रवासी भारतीयों की भूमिका का जिक्र करेंगे

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले सप्ताह यहां भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करने के दौरान भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों की भूमिका पर बात करेंगे। कार्यक्रम की मेजबानी करने वाले एक सामुदायिक नेता ने यह जानकारी दी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21-24 जून तक अमेरिका की यात्रा करने वाले हैं। बाइडन दंपत्ति 22 जून को राजकीय रात्रिभोज में मोदी की मेजबानी करेंगे। इस यात्रा में 22 जून को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करना भी शामिल है। अगले सप्ताह के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए बुधवार को वाशिंगटन डीसी में रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग

स्थल पर मौजूद शिकागो के डॉ. भरत बरई ने कहा कि कार्यक्रम की सभी टिकटें बिक चुकी हैं, तथा सभी 838 सीटों के लिए पंजीकरण पूरा हो गया है। मोदी 23 जून को वाशिंगटन में रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग एंड इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर में देश भर से आमंत्रित समुदाय के नेताओं की सभा को संबोधित करेंगे।

बरई ने कहा, विषय भारत की विकास गाथा में प्रवासी भारतीयों की भूमिका है। हम देखना चाहते हैं कि एक प्रवासी के रूप में भारत और भारत के लोगों की मदद के वास्ते हम क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा, समुदाय के लोग ऐसे दूरदर्शी और निरंतर काम करने वाले व्यक्ति को लेकर बेहद उत्साहित हैं, जिन्होंने भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है। शिकागो से अमिताभ मित्तल ने आधिकारिक राजकीय यात्रा पर मोदी को आमंत्रित करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को धन्यवाद दिया।

यूनान में नौका के डूबने से कम से कम 79 लोगों की मौत

कालामाटा। प्रवासियों को लेकर जा रही मछली पकडने वाली एक नौका यूनान के तट पर मंगलवार देर रात को पलटने के बाद डूब गई, जिससे कम से कम 79 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ए सभी प्रवासी यूरोप जाने की कोशिश कर रहे थे। तटरक्षक बल, नौसेना और विमानों ने रात भर व्यापक स्तर पर खोज एवं बचाव अभियान चलाया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने यात्री लापता हैं। तटरक्षक बल के प्रवक्ता निकोस अलेक्सियो ने सरकारी ईआरटी टीवी को बताया कि यात्रियों की संख्या का सटीक अनुमान लगाना असंभव है। ऐसा प्रतीत होता है कि 80-100 फुट का जहाज लोगों के अचानक एक तरफ चले जाने के बाद पलट गया और कुछ देर बाद डूब गया। कालामाटा के दक्षिणी बंदरगाह शहर के डिप्टी मेयर आयोनिस ज़ाफ़िरोपोलोस ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी से संकेत मिले हैं कि नौका में 500 से अधिक लोग सवार थे। तटरक्षक के एक बयान के अनुसार, जब उनके जहाजों और वाणिज्यिक जहाजों ने नौका को बचाने का बार बार प्रयास किया तो उन्हें ऐसा करने से रोका गया। नौका पर सवार लोग लगातार यह कह रहे थे कि वे इटली जाना चाहते हैं।

मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटना न्यूनीकरण अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

एस.पी. ट्रैफिक की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किये जाने के निर्देश

हरिद्वार में अध्यक्षता सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटना न्यूनीकरण अनुश्रवण समिति की बैठक को में मौजूद अधिकारी।

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को कलक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटना न्यूनीकरण अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी को अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटना न्यूनीकरण के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। प्रतीक जैन ने बैठक में ऑटो, विक्रम तथा ई-रिक्शा के संचालन के सम्बन्ध में पूर्व में दिये गये निर्देशों के क्रम में जानकारी ली तो अधिकारियों ने बताया कि परिवहन एवं पुलिस विभाग द्वारा विभिन्न नियमों के उल्लंघन में ऑटो, विक्रम तथा ई-रिक्शा के 840 चालान काटे गये तथा 130 को बन्द किया गया। बैठक में प्रतिदिन सड़कों व मुख्य बाजारों में निरन्तर बढ़ रहे ई-रिक्शाओं की संख्या पर चिन्ता व्यक्त करते हुये इनके संचालन को हतोत्साहित करने के विभिन्न विकल्पों-पार्किंग व्यवस्था, पिकअप प्वाण्ट पर निगरानी, हाईवे पर रोक, आड-ईवन प्रक्रिया की शुरूआत करना, फ्लाई ओवर पर रोक आदि पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि एस.पी. ट्रैफिक की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया जाये जो इस सम्बन्ध में सभी पहलुओं का ध्यान रखते हुये अपनी रिपोर्ट यथाशीघ्र उपलब्ध कराये।

सड़क सुरक्षा की बैठक में नजीबाबाद से हरिद्वार मार्ग पर चण्डीघाट से चण्डीदेवी मन्दिर तक होने वाली दुर्घटनाओं के सम्बन्ध में चर्चा हुई, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने पूर्व में दिये गये निर्देश-क्रैश बैरियर लगाये जाने आदि के सम्बन्ध में जानकारी ली तो अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में क्रैश बैरियर लगा दिये गये हैं तथा आवश्यक सुरक्षा उपायों को प्रभावित स्थान पर पूरी तरह लागू किया गया है। बैठक में अधिकारियों ने हिट एण्ड रन प्रकरणों पर चर्चा के दौरान बताया गया कि हिट एण्ड रन के अन्तर्गत पंजीकृत 83 अभियोगों में से 27 अभियोग में सोलेशियम स्कीम की रिपोर्ट सम्बन्धित उप जिलाधिकारी कार्यालय प्रेषित की जा चुकी है। शेष अभियोग विचाराधीन हैं। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जितने भी लम्बित प्रकरण हैं, उनका निस्तारण यथाशीघ्र करना सुनिश्चित करें। बैठक में ब्लैक स्पॉट/दुर्घटना सम्भावित क्षेत्रों के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में 40 ब्लैक स्पॉट चिह्नित हैं, जिनमें से 27 की कमियों को ठीक कर दिया गया है तथा 13 ब्लैक स्पॉट की कमियां दूर करने की कार्रवाई गतिमान है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पी.एल. शाह, एसडीएम पूरण सिंह राणा, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) रत्नाकर सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) रश्मि पन्त, अधीक्षण अभियन्ता लोक निर्माण एस.के. गर्ग, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण सुरेश तोमर, अधिशासी अभियन्ता एनआईएच, पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक राकेश रावत, जिला शिक्षा अधिकारी नरेश हल्दियानी सहित सिडकुल तथा पुलिस विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

ग्रेटर नोएडा: घर के बाहर लुंगी या नाइटी पहनकर न घूमने का सोसाइटी का निर्देश वापस लिया गया

नोएडा (उप्र)। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर जनपद के ग्रेटर नोएडा स्थित हिमसागर अपार्टमेंट सोसाइटी ने लुंगी और नाइटी पहनकर सार्वजनिक रूप से न घूमने का अपना चार दिन पुराना निर्देश बुधवार को वापस ले लिया।

सोसाइटी ने 10 जून को एक नोटिस जारी कर वहां के निवासियों से अपील की थी कि पुरुष लुंगी और महिलाएं नाइटी पहन कर सोसाइटी में सार्वजनिक रूप से न घूमें।

सोसाइटी के आरडब्लूए अध्यक्ष पीके कालरा ने बताया कि काफी दिनों से शिकायतें आ रही थी कि लोग घर के अंदर पहनने वाले कपड़ों में ही बाहर घूमने लगते हैं, जिससे सोसाइटी का माहौल खराब हो रहा है।

उन्होंने कहा कि निवासियों से अनुरोध किया गया था कि वे सोसाइटी के वातावरण को ध्यान में रखते हुए संबंधित निर्देश का पालन करें। कालरा के अनुसार, किसी के ऊपर यह आदेश जबरन नहीं सौंपा गया था।

सोशल मीडिया पर आरडब्ल्यूएल का संबंधित नोटिस काफी प्रचारित होने के बाद लोगों ने अलग-अलग मत जाहिर किए और सोसाइटी को चार दिन बाद बुधवार को यह निर्देश वापस लेना पड़ा।

कालरा ने पुष्टि की कि 10 जून का नोटिस वापस ले लिया गया है।

अमरनाथ यात्रा: 40 से अधिक खाद्य पदार्थ प्रतिबंधित, तीर्थयात्रियों को सेहत पर ध्यान देने की सलाह

जम्मू। आगामी अमरनाथ यात्रा में 40 से अधिक खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगाया गया है और तीर्थयात्रियों को प्रतिदिन कम से कम पांच किलोमीटर पैदल चलकर शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर करने की सलाह दी गई है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने बृहस्पतिवार को जारी अपने स्वास्थ्य परामर्श में यह जानकारी दी।

प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों में कोल्ड ड्रिंक और फास्ट फूड भी शामिल हैं। स्वास्थ्य परामर्श में दक्षिण कश्मीर में स्थित हिमालय के तीर्थस्थल की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं से कहा गया है कि वे प्रतिदिन सुबह और शाम लगभग चार से पांच किलोमीटर की सैर करना शुरू करें ताकि उनका शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहे। अमरनाथ यात्रा एक जुलाई से शुरू होगी। इसके लिए दो रास्ते हैं, जिनमें अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबा नुंवान-पहलगाम का मार्ग है और गांदरबल जिले में दुर्गम चढ़ाई वाला 14 किलोमीटर लंबा रास्ता शामिल है। अधिकारियों ने कहा, अमरनाथ यात्रा शुरू करने से पहले प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों और ऐसे खाद्य पदार्थों की सूची पर नजर डालें, जिन्हें आप यात्रा के दौरान ले जा सकते हैं। श्री

अमरनाथ श्राइन बोर्ड की सलाह के अनुसार जिन खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें पुलाव, तला चावल, पूड़ी, पिज्जा, बर्गर, भरवां परांठा, डोसा, मक्खन-ब्रेड, अचार, चटनी, तला पापड़, चाउमीन सहित अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ शामिल हैं। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने चावल के कुछ व्यंजनों के साथ अनाज, दालों, हरी सब्जियों और सलाद जैसे स्वस्थ खाद्य पदार्थों की सिफारिश की है। बोर्ड के मुताबिक, गांदरबल और अनंतनाग जिलों के जिलाधिकारी प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों के उल्लंघन के लिए लगाए जाने वाले दंड को निर्दिष्ट करते हुए रणबीर दंड संहिता के तहत उचित आदेश जारी करेंगे।

पोलियो के दो नए टीके इस विषाणु जनित रोग के उन्मूलन के लिए विकसित किए गए

नईदिल्ली। वैज्ञानिकों ने पोलियो के दो नए टीके (एनओपीवी) विकसित किए हैं, जिनके बारे में उनका दावा है कि वे इस विषाणु जनित रोग का पूरी तरह से उन्मूलन करने की दिशा में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के हालिया प्रयासों को मजबूत करेंगे।

नेचर पत्रिका में हाल में इन टीकों का उल्लेख किया गया है। वे कमजोर पड़ चुके पोलियो वायरस से निर्मित हैं, जिनमें वायरस को खतरनाक स्वरूप में पुनःपरिवर्तित होने से रोकने के लिए आनुवंशिकी बदलाव किए गए हैं।

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्राध्यापक राउल एंडिनो ने कहा, देशों के अंदर और उनके बीच टीकाकरण में इस तरह की भिन्नता के कारण पोलियो वायरस 21वीं सदी में भी मौजूद है, जो कभी-कभी दुखद नतीजे देता है।

शोध पत्र में कहा गया है, कई वर्षों तक पोलियो से लडने से सीखे गए सबक का उपयोग कर हमने ए नए टीके विकसित किए हैं और हमारा मानना है कि वे इस रोग का सदा के लिए उन्मूलन कर देंगे।

पोलियो आमतौर पर बगैर लक्षणों वाला होता है।

दारुल उलूम देवबंद ने छात्रों के बाहर जाकर कोचिंग पढने पर लगाई पाबंदी

सहारनपुर (उप्र)। देश के प्रमुख इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद ने अपने यहां पढ़ रहे छात्रों के बाहर जाकर किसी अन्य पाठ्यक्रम को पढने पर पाबंदी लगा दी है क्योंकि बाहर जाने से संस्थान की अपनी तालीमी व्यवस्था प्रभावित होती है।

संस्थान ने स्पष्ट किया है कि उसने यह प्रतिबंध इसलिए लगाया है क्योंकि छात्रों द्वारा दूसरे कोर्स पढने के लिए बाहर जाने से संस्थान की तालीमी व्यवस्था प्रभावित होती है।

दारुल उलूम देवबंद के शिक्षा विभाग द्वारा 12 जून को जारी एक आदेश में कहा गया है, 'छात्रों को सूचित किया जाता है कि दारुल उलूम देवबंद में शिक्षा ग्रहण करते हुए दूसरी किसी तालीम (इंग्लिश वगैरह) की इजाजत नहीं होगी। अगर कोई छात्र इस काम में लिप्त पाया गया या विश्वस्त सूत्रों से उसके इस अमल की निशानदेही होगी तो उसे निष्कासित कर दिया जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया है, 'शिक्षण अवधि में कोई भी छात्र कक्षा को छोड़कर कमरे में हरगिज़ न ठहरे। दारुल उलूम प्रशासन किसी भी वक्त किसी भी कमरे का मुआयना कर सकता है। अगर कोई छात्र इस काम में लिप्त पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी। अगर कोई छात्र कक्षा में हाजिरी बोलकर सबक खत्म होने से पहले चला गया या घंटे के आखिर में हाजिरी दर्ज कराने के लिए कक्षा में दाखिल होता पाया गया तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्वाई होगी। मामले को लेकर मीडिया में चर्चा होने के बाद दारुल उलूम देवबंद ने इस पर अपनी सफाई भी पेश की है। संस्थान के मोहतमिम (मुख्य कर्ताधर्ता) मौलाना अब्दुल कासिम नोमानी ने पीटीआई- भाषा को बताया, 'कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि दारुल उलूम देवबंद में अंग्रेजी पढने पर पाबंदी लगा दी गई है जबकि ऐसा नहीं है। दारुल उलूम में बाकायदा अंग्रेजी का एक अलग विभाग है और बच्चों को इसकी तालीम दी जा रही है।

उन्होंने कहा, 'यह पाबंदी सिर्फ उन छात्रों के लिए है जो दारुल उलूम देवबंद में दाखिला तो आलिम और फाजिल के कोर्स के लिए लेते हैं लेकिन यहां न पढ़कर वे अंग्रेजी या दूसरी पढ़ाई पढने के लिए शहर के किसी कोचिंग सेंटर में जाते हैं। अंग्रेजी पढने से किसी को मना नहीं किया जा रहा है। दारुल उलूम में छात्रों के लिए पूरे 24 घंटे का अलग-अलग शिक्षण और प्रशिक्षण कार्य निर्धारित हैं। ऐसे में छात्रों के बाहर चले जाने से इस संस्थान में उनकी शिक्षा प्रभावित होती है। नोमानी ने बताया, यह पाबंदी सिर्फ इन्हीं छात्रों के लिए नहीं है बल्कि कई ऐसे छात्र हैं जो मदरसे में दाखिला लेने के बावजूद बाहर अपना कारोबार करते हैं। चाय का ठेला लगाते हैं।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक: विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906: Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com